SIDDHANTA'S INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN ARTS & HUMANITIES
An International Peer Reviewed, Refereed Journal
Vol. 2, Issue 2, November-December 2024 Impact Factor : 6.8 ISSN(O) : 2584-2692
Available online : https://sijarah.com/

स्टार्टअप और उद्यमिता: भारत में नए नवाचार

Dr. Ritu Gupta

Professor, GPEM

Dr. Govind Nainiwal

Assistant Professor, Political Science, G.D. Government College For Women, Alwar

Email ID: ritug1972.rg@gmail.com

Email ID: govindnainiwal@gmail.com

सारांश

स्टार्टअप और उद्यमिता को अक्सर एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन वे व्यवसाय की दुनिया में अलग-अलग अवधारणाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके बीच अंतर और समानता को समझना नए उद्यमों के गतिशील परिदृश्य में प्रवेश करने में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। इस लेख में, हम प्रत्येक के अनूठे पहलुओं पर गहराई से चर्चा करेंगे, अर्थव्यवस्था को आकार देने में उनकी भूमिकाओं की जांच करेंगे और वे व्यवसाय प्रथाओं को कैसे प्रभावित करते हैं।

एक स्टार्टअप आम तौर पर एक प्रारंभिक चरण की कंपनी होती है जिसका उद्देश्य अभिनव उत्पाद या सेवाएँ बनाकर बाज़ार में हलचल मचाना होता है। तेजी से विकास और मापनीयता पर निरंतर ध्यान देने के साथ, स्टार्टअप अक्सर उद्योग में एक विशिष्ट समस्या से निपटते हैं, महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए नई विधियों और तकनीकों को लागू करते हैं। स्टार्टअप संस्थापक बड़ी सफलता की तलाश में परिकलित जोखिम लेने और अप्रमाणित विचारों को विकसित करने की ओर प्रवृत्त होते हैं।

दूसरी ओर, उद्यमी वे व्यक्ति होते हैं जो अवसरों को पहचानने, संसाधन जुटाने और नए व्यवसायों के निर्माण को आगे बढ़ाने की एक मजबूत क्षमता प्रदर्शित करते हैं। जबकि वे स्टार्टअप के समान एक नया उद्यम शुरू कर सकते हैं, उनके प्रयासों में मौजूदा व्यवसाय मॉडल को नए बाजारों में अनुकूलित करना या धीमी, निरंतर वृद्धि के साथ एक छोटा व्यवसाय बनाना भी शामिल हो सकता है। उद्यमशील मानसिकता, व्यवसाय शुरू करने और संचालन की अंतर्निहित चुनौतियों के बीच दृढ़ता, रचनात्मकता और लचीलेपन को महत्व देती है।

मुख्य शब्द: स्टार्टअप, उद्यमिता, युवा उद्यमी, अवसर, मेक इन इंडिया, इनोवेशन।

परिचय

नवाचारपूर्ण स्टार्टअप: मेक इन इंडिया

नवाचारपूर्ण स्टार्टअप वे कंपनियाँ हैं जो नए और अभूतपूर्व विचारों पर आधारित हैं, जो अक्सर अप्रयुक्त बाज़ार की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी में प्रगति का लाभ उठाती हैं। इन स्टार्टअप के पास आमतौर पर एक विशिष्ट उत्पाद या सेवा

SIDDHANTA'S INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN ARTS & HUMANITIES
An International Peer Reviewed, Refereed Journal
Vol. 2, Issue 2, November-December 2024 Impact Factor : 6.8 ISSN(O) : 2584-2692
Available online : https://sijarah.com/

होती है जिसके बारे में उनका मानना है कि यह पारंपरिक उद्योगों को बाधित करेगी और समस्याओं को हल करने का एक नया तरीका बनाएगी। कोविड -19 के बाद युवाओं में स्टार्टअप्स के प्रति रुझान बढ़ा है। ये नवाचार उपभोक्ताओं का नए उत्पादों या सेवाओं को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। IIT से स्नातक किये कई युवाओं ने तकनीकी प्रगति से प्रेरित स्टार्टअप्स शुरू किये और सफलता का मुकाम छू रहे हैं। इन सभी स्टार्टअप्स ने पुराने पारम्परिक उद्योगों को बाधित करने और बदलने का लक्ष्य हासिल किया है।

नवाचारपूर्ण स्टार्टअप के उदाहरणों में Airbnb, Uber, Ola, Zomato, Swiggy, Urbanclap, जैसी कंपनियाँ शामिल हैं जिन्होंने प्रौद्योगिकी, साझा अर्थव्यवस्था सिद्धांतों और रचनात्मक व्यवसाय मॉडल का उपयोग करके अपने संबंधित क्षेत्रों - आतिथ्य और परिवहन - को बाधित किया है।

स्टार्टअप, आम तौर पर युवा कंपनियाँ जो तेज़ी से बढ़ने का लक्ष्य रखती हैं, अक्सर स्थापित व्यवसायों की तुलना में उच्च स्तर के जोखिम का सामना करती हैं। स्टार्टअप आम तौर पर उच्च-विकास, स्केलेबल व्यवसाय मॉडल पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो महत्वपूर्ण राजस्व और इक्विटी लाभ की क्षमता प्रदान करते हैं।

स्टार्टअप्स के नए नवाचार

स्टार्टअप अक्सर तेज़ विकास और बाज़ार में उथल-पुथल मचाने का लक्ष्य रखते हैं, जिसके लिए पर्याप्त फ़ंड की आवश्यकता होती है। स्टार्टअप के लिए कुछ सामान्य फंडिंग विकल्पों में शामिल हैं:

वेंचर कैपिटल (VC): स्टार्टअप वेंचर कैपिटलिस्ट से फंडिंग चाहते हैं जो इक्विटी के बदले में पूंजी प्रदान करते हैं। VC आमतौर पर उच्च-संभावित व्यवसायों की ओर आकर्षित होते हैं जो पर्याप्त लाभ दे सकते हैं।

निवेश और फंडिंग: स्टार्टअप के लिए फंडिंग हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, इसलिए उद्यमियों को अपनी कंपनियों में निवेश करने के लिए जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

बाजार प्रतिस्पर्धा: स्टार्टअप को लगातार अधिक स्थापित प्रतिस्पर्धियों या नए प्रवेशकों के खतरे का सामना करना पड़ता है, जो बाजार हिस्सेदारी में कमी या यहां तक कि व्यापार विफलता का कारण बन सकता है।

असफलता दर: स्टार्टअप की विफलता दर उच्च होती है, उनमें से एक महत्वपूर्ण प्रतिशत अपने पहले कुछ वर्षों से आगे नहीं टिक पाते हैं।

उद्यमिता

उद्यमिता में एक व्यवसाय शुरू करना और उसका प्रबंधन करना शामिल है, जो छोटे व्यवसायों से लेकर स्टार्टअप जैसे उच्च-विकास वाले उपक्रमों तक हो सकता है। इसमें शामिल जोखिम और उत्पन्न लाभ व्यवसाय के प्रकार के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।

छोटे व्यवसाय: जो उद्यमी पारंपरिक छोटे व्यवसायों, जैसे ईंट-और-मोर्टार स्टोर, को चुनते हैं, उन्हें स्टार्टअप में शामिल लोगों की तुलना में आम तौर पर कम जोखिम का सामना करना पड़ता है। हालाँकि, लाभ और इक्विटी लाभ की संभावना अधिक सीमित हो सकती है।

SIDDHANTA'S INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN ARTS & HUMANITIES
An International Peer Reviewed, Refereed Journal
Vol. 2, Issue 2, November-December 2024 Impact Factor : 6.8 ISSN(O) : 2584-2692
Available online : https://sijarah.com/

जोखिम प्रबंधन: उद्यमियों को वित्तीय जोखिम, प्रतिष्ठा जोखिम, पर्यावरणीय जोखिम और राजनीतिक या आर्थिक जोखिम जैसे विभिन्न जोखिमों का प्रबंधन करना चाहिए। प्रभावी जोखिम प्रबंधन किसी व्यवसाय के सबसे लाभदायक पहलुओं की रक्षा और विकास में मदद कर सकता है।

राजस्व और लाभ स्रोत: उद्यमियों के लिए यह समझना आवश्यक है कि लाभ कहाँ से आता है। उदाहरण के लिए, यदि 20% ग्राहक और उत्पाद 150% या उससे अधिक लाभ उत्पन्न करते हैं, तो उन लाभ शिखरों पर ध्यान केंद्रित करना जोखिम प्रबंधन और व्यावसायिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

कुल मिलाकर, स्टार्टअप और उद्यमिता दोनों में जोखिम और लाभप्रदता की संभावना शामिल है, लेकिन उन जोखिमों और लाभों के स्तर और स्रोत काफी भिन्न हो सकते हैं। अंतरों को समझने से उद्यमियों को अपने उद्यम को आगे बढ़ाते समय सूचित निर्णय लेने में मदद मिल सकती है।

उद्यमिता के नए नवाचार :

1. **कॉर्पोरेशन:** ये बड़े, सुस्थापित व्यवसाय होते हैं, जो अक्सर उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में काम करते हैं। उनकी विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं:

- **अलग कानूनी पहचान**: कॉर्पोरेशन को उनके मालिकों से अलग कानूनी इकाई माना जाता है, जो शेयरधारकों के लिए सीमित देयता सुरक्षा प्रदान करते हैं।
- **स्वामित्व संरचना**: स्वामित्व शेयरों में विभाजित होता है, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- **श्रेणीबद्ध प्रबंधन**: कॉर्पोरेशन में आमतौर पर एक अच्छी तरह से परिभाषित प्रबंधन संरचना होती है, जिसमें निदेशक मंडल और कार्यकारी अधिकारी निर्णय लेते हैं। कुछ प्रसिद्ध उदाहरण हैं Apple, General Motors और McDonald's। सामान्य तौर पर, निगमों को निम्नलिखित से लाभ होता है:
- **पूंजी तक अधिक पहुँच**: सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनियों के रूप में, निगम शेयर बाजारों में शेयर जारी करके धन जुटा सकते हैं।
- **पैमाने की अर्थव्यवस्थाएँ:** बड़े व्यवसाय थोक खरीद और कुशल उत्पादन प्रक्रियाओं के माध्यम से कम इकाई लागत प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि, कॉर्पोरेशन को निम्नलिखित से संबंधित चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है: नौकरशाही और धीमी निर्णय लेने की प्रक्रिया: जटिल प्रबंधन संरचनाएँ चपलता में बाधा डाल सकती हैं, उदाहरण के लिए, बदलती बाजार स्थितियों पर प्रतिक्रिया करने में।
- **विनियामक अनुपालन:** कॉर्पोरेशन अक्सर महत्वपूर्ण विनियमन और निरीक्षण के अधीन होते हैं, जो लागत लगा सकते हैं और लचीलेपन को सीमित कर सकते हैं।

2. **छोटे व्यवसाय** :छोटे व्यवसाय आमतौर पर निजी स्वामित्व वाले और संचालित होते हैं, जो स्थानीय या क्षेत्रीय बाजार में उत्पाद या सेवाएँ प्रदान करने पर केंद्रित होते हैं। छोटे व्यवसायों की विशेषताओं में शामिल हैं:

सीमित कानूनी संरचना: कई छोटे व्यवसाय एकमात्र स्वामित्व या भागीदारी वाले होते हैं, जिसका अर्थ है कि मालिकों के पास व्यावसायिक ऋणों के लिए व्यक्तिगत देयता होती है।

SIDDHANTA'S INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN ARTS & HUMANITIES
An International Peer Reviewed, Refereed Journal
Vol. 2, Issue 2, November-December 2024 Impact Factor : 6.8 ISSN(O) : 2584-2692
Available online : https://sijarah.com/

लचीला प्रबंधन: छोटे व्यवसायों में अक्सर कम औपचारिक प्रबंधन संरचनाएँ होती हैं, जो त्वरित निर्णय लेने और अनुकूलनशीलता की अनुमति देती हैं।

सामुदायिक फ़ोकस: छोटे व्यवसाय अक्सर स्थानीय ग्राहक आधार की सेवा करते हैं, अपने समुदायों के भीतर कनेक्शन और वफादारी को बढ़ावा देते हैं। छोटे व्यवसायों के उदाहरणों में स्थानीय रेस्तरां, खुदरा स्टोर और प्लंबर या एकाउंटेंट जैसे सेवा प्रदाता शामिल हैं।

छोटे व्यवसायों के लाभ ये हो सकते हैं:

अधिक लचीलापन: छोटे व्यवसाय आम तौर पर निगमों की तुलना में अधिक चुस्त होते हैं, जो बाज़ार की स्थितियों या ग्राहकों की ज़रूरतों में होने वाले बदलावों के अनुकूल ढलने में सक्षम होते हैं।

मज़बूत ग्राहक संबंध: छोटे व्यवसाय अपने ग्राहकों के साथ व्यक्तिगत, लंबे समय तक चलने वाले संबंध बना सकते हैं, जिससे बार-बार व्यापार और मुंह-ज़बानी रेफ़रल मिलते हैं।

हालाँकि, छोटे व्यवसायों को चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है, जैसे:

सीमित संसाधन: छोटे व्यवसायों के पास बड़े निगमों की तुलना में पूंजी और अन्य संसाधनों तक कम पहुँच हो सकती है, जिससे उनकी विकास क्षमता सीमित हो जाती है।

प्रति इकाई उच्च लागत: छोटे व्यवसाय अक्सर पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बड़े प्रतिस्पर्धियों की तुलना में उच्च लागत होती है।

इन विशेषताओं के साथ, कॉर्पोरेशन और कॉर्पोरेशन छोटे व्यवसाय दोनों ही अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विभिन्न कौशल और प्रतिभा वाले लोगों के लिए उत्पादों, सेवाओं और रोजगार के अवसरों की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं।

स्टार्टअप्स इंडिया : भारत सरकार की पहल

16 जनवरी, 2016 को शुरू की गई स्टार्टअप इंडिया पहल ने उद्यमियों को समर्थन देने, एक मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने और भारत को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वालों के देश में बदलने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन कार्यक्रमों का प्रबंधन एक समर्पित स्टार्टअप इंडिया टीम द्वारा किया जाता है, जो उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) को रिपोर्ट करती है।

भास्कर

भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री, भास्कर, को एक वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के रूप में देखा जाता है, जहाँ विविध स्टार्टअप इकोसिस्टम हितधारक सहजता से जुड़ सकते हैं और सहयोग कर सकते हैं, जिससे पूरे भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम की वृद्धि और सफलता को बढ़ावा मिलेगा। कनेक्शन, ज्ञान साझा करने और खोज के लिए एक व्यापक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करके, भास्कर उद्यमियों और इकोसिस्टम हितधारकों को उनकी यात्रा के हर चरण में सशक्त बनाने की इच्छा रखता है, जिससे नवाचार की संस्कृति को आगे बढ़ाया जा सके जो भारत को वैश्विक उद्यमिता के मामले में सबसे आगे ले जाए।

SIDDHANTA'S INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN ARTS & HUMANITIES
An International Peer Reviewed, Refereed Journal
Vol. 2, Issue 2, November-December 2024 Impact Factor : 6.8 ISSN(O) : 2584-2692
Available online : https://sijarah.com/

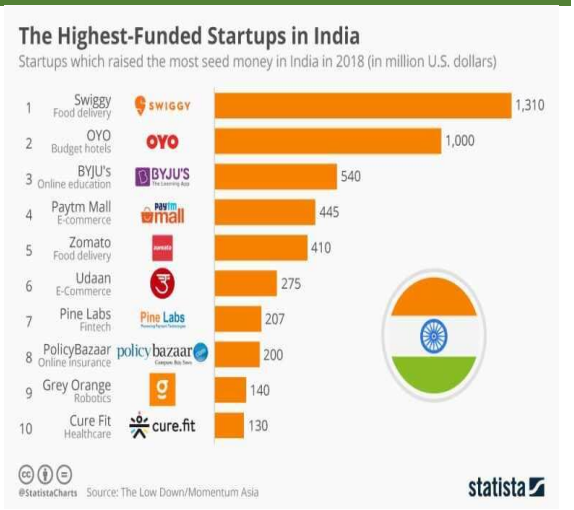

Image credits :https://promotedigitally.com/successful-indian-startups/

https://daleykriste.pages.dev/kiqowwt-top-20-startups-in-india-2025-photos-inwawyx/